प्रयोजनमूलक हिंदी (कामकाजी हिंदी / व्यावहारिक हिंदी)

साहित्यिक दृष्टि से हिंदी का महत्वपूर्ण स्थान है। भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकृति मिल चुकी है। आजकल 'प्रयोजनमूलक हिंदी' का प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। प्रयोजनमूलक हिंदी को ही 'कामकाजी हिंदी' अथवा 'व्यावहारिक हिंदी' कहा जाता है।

वैज्ञानिक अन्वेषणों तथा जनसंचार क्षेत्र में हुई क्रांति के कारण प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग अनेकानेक क्षेत्रों में बढ़ते जा रहे हैं। इसी कारण हिंदी के राजभाषा, संचार भाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा आदि अनेक रूप बनते जा रहे हैं। इन्हीं रूपों की संक्षिप्त जानकारी हमें यहाँ इस प्रकार से है। समुदाय, समाज और व्यवहार के लिए मातृभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा की आवश्यकता होती है। विभिन्न क्षेत्रों में कामकाज के लिए प्रयोजन-मूलक के संचार भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, सर्जनात्मक भाषा आदि रूपों की आवश्यकता होती है। आजकल प्रयोजनमूलक भाषा में दिनोंदिन परिवर्तन आ रहे हैं और कामकाजी हिंदी के अनेकानेक रूप बनते जा रहे हैं।

मातृभाषा :

मातृभाषा का सामान्य अर्थ है 'माता की भाषा'। बालक को अपनी माता से जो भाषा सीखने को मिलती है, वह उसकी 'मातृभाषा' कहलाती है। अर्थात जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है, उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं। मातृभाषा, किसी भी व्यक्ति

की सामाजिक एवं भाषायी पहचान होती है। वह भाषा और बोली, जो परिवार में बोली जाती है, 'मातृभाषा' कहलाती है। 'मातृभाषा' सामाजिक दृष्टि से निर्धारित व्यक्ति की वह आत्मीय भाषा है, जो व्यक्ति की अस्मिता को किसी भाषाई समुदाय की सामाजिक परंपरा और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से संबद्ध करती है। इस भाषा के माध्यम से व्यक्ति का व्यक्तित्व विकसित होता है। व्यक्ति ऐसी ही भाषा के माध्यम से परिवार और समाज में अपना एक अलग स्थान निर्माण करता है। महात्मा गांधी ने कहा है —

"मनुष्य के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा उतनी ही आवश्यक है, जितना कि बच्चे के शारीरिक विकास के लिए माता का दूध।"

मातृभाषा सहज अभिव्यक्ति तथा सहज-बोध का साधन है। पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार मातृभाषा का स्वरूप कुछ इस तरह से है :—

कालरिज (Coleridge) — मातृभाषा मनुष्य के शरीर में धड़कते हृदय की भाषा है। इसे हिंडोले की भाषा (Language of the Cradle) भी कहा जाता है।

पी. बी. बैलर्ड (P.B. Bellard) — मातृभाषा बच्चे की वह भाषा है, जिसके द्वारा वह सोचता और सपने बुनता है। (The tongue in which a child thinks and dreams)